

55

पदी उड़ गओ आकाशवाणी पिंजरवा खो धोड़ गओ
 दुनियाँ कैसी राम- जा- गत हो गई ये तन की

जिनने हमखों जोद बिठाओ. खात हते न साथ खिबाओ
 रो रय ले खें नाम ----- जा-गत हो----

दुनियाँ कैसी-----

नाते दार सबई जुड़ आये, घांस और बांस बिदौना छाये
 भई जीवन की शाम----- जा-गत हो----

दुनियाँ कैसी-----

माता रोये- बहिना रोये, भैया रोये- कबीला रोये
 ले गये कोनउ धाम----- जा-गत हो-----

दुनियाँ कैसी-----

रेंसे सोये मुँह न बोले, आज जिया को भेद न खोलें
 अबई दूटी लगाम----- जा-गत हो-----

दुनियाँ कैसी-----

आज बचा खें कोई न लाये, होड़ अकेलो घर खो आये
 जल गओ सबरो चाम----- जा-गत हो-----

दुनियाँ कैसी-----

राम को नाम जपो तुम भाई, कहें "श्री बाबा श्री" हूँ हूँ राम सबई
 संगे जे-हे न दाम----- जा-गत हो-----

दुनियाँ कैसी-----